सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

वर्ष : 14 | अंक : 155 | मार्च : 2023

इस अंक में...

5 सम्पादकीय

6 समसामयिकी घटना संग्रह

7 समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

17 आर्थिक घटना संग्रह

- वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत का राजकोषीय घाटा ₹ 17·5 लाख करोड़
- भारत का सबसे तेज भुगतान ऐप PayRup लॉन्च
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना

21 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- इंदौर में प्रवासी भारतीय दिवस 2023 सम्मेलन का उद्घाटन
- कोल्लम भारत का पहला संविधान साक्षर जिला बना
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में एमवी गंगा विलास क्रूज का शुभारम्भ किया

27 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- ChatGPT की लोकप्रियता के बीच Google AI चौटबॉट लॉन्च करेगा
- 1961 के बाद पहली बार चीन की आबादी घटी
- लूला डी सिल्वा तीसरी बार बने ब्राजील के राष्ट्रपति

31 खेल खिलाड़ी

- विराट कोहली वनडे रैंकिंग में टॉप-5 में शामिल
- नोवाक जोकोविच ने 92वाँ टूर खिताब जीता
- कौस्तव चटर्जी बने भारत के 78वें ग्रैंडमास्टर

34 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

लेख

39 **आर्थिक लेख**—भारत को विकसित देश बनाने का संकल्प

40 **वाणिज्य लेख**—भारत का निर्यात योगदान

41 **पर्यावरण लेख**—सुधर रही है गंगा की सेहत

42 **सूचना प्रौद्योगिकी लेख**—साइबर सुरक्षा और जागरूकता

43 **कृषि लेख**—जैविक खेती के लाभ

विविध/सामान्य

78 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**

80 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-152 का परिणाम**

81 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

44 एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस हेड कॉंस्टेबिल (मंत्रिस्तरीय) भर्ती परीक्षा, 2022

54 छत्तीसगढ़ अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2022 (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

मॉडल हल

68 मध्य प्रदेश में समूह-2 उपसमूह-4 के अन्तर्गत सहायक संपरीक्षक, जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी व समकक्ष पदों की भर्ती तथा राजस्व विभाग के अन्तर्गत पटवारी (कार्यपालिक) पद 2022-23 हेतु विशेष हल प्रश्न

संस्थापक सम्पादक : स्व. श्री महेन्द्र जैन | सम्पादक : राहुल जैन | रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2

ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

- सम्पादकीय ऑफिस : 1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास, **आगरा**–282 005 — **फोन**–2531101, 2530966
- दिल्ली ऑफिस : 4845, अंसारी रोड, दरियागंज, **नई दिल्ली**–110 002 — **फोन**–011-23251844, 43259035
- पटना ऑफिस : पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड, **पटना**–800 004 — **मो**–09334137572
- हैदराबाद ऑफिस : 16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा, आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड, (यूनियन बैंक के बगल में), **हैदराबाद**–500 036 (तेलंगाना) — **मो**–09391487283
- हल्द्वानी ऑफिस : 8-310/1, ए. के. हाउस, हीरानगर, **हल्द्वानी**, जिला–नैनीताल–263 139 (उत्तराखण्ड) — **मो**–07060421008

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

सम्पादकीय

क्रान्तिकारी बनिए

फूल या गंध रूप होना, क्रान्तिकारी परिवर्तन भी है और सभ्यता के विकास में एक चरण आगे बढ़ना भी है. लोकतंत्र के मूल्यों की हत्या करके किस स्वतंत्रता की रक्षा करते हैं ? ऋषियों ने ठीक ही कहा था–''स्वार्थान्ध तर्कहीन आचरण करता है और धार्मिकता से सन्तुष्ट तथाकथित धार्मिक, अधार्मिक होता है.''

वैचारिक क्रान्ति द्वारा ही आप अन्तर्निहित स्वतत्व को सुगंधित व्यक्तित्व के रूप में प्रकाशित कर सकेंगे.

फूल का सौन्दर्य उसका बाह्य व्यक्तित्व है. उसमें व्याप्त गंध उसका आन्तरिक गुण है अथवा अन्तर्निहित स्वत्व है.

फूल की गंध का इत्र या सैण्ट रूप होना उसके स्वरूप में आमूल परिवर्तन होना, क्रान्तिकारी परिवर्तन ही कहा जाएगा.

क्रान्तिकारी का नाम लेते ही हमारे ध्यान में हिंसक क्रान्तियाँ–फ्रांसीसी क्रान्ति एवं रूसी क्रान्ति आ जाती हैं. बहुत हुआ तो हम औद्योगिक क्रान्ति तक पहुँच जाते हैं. इस समय हम वैचारिक क्रान्ति में आपकी भागीदारी की माँग कर रहे हैं.

कहा है क्रान्ति सभ्यता की जननी है. फूल का गंध रूप होना क्रान्तिकारी परिवर्तन भी है और सभ्यता के विकास में एक सोपान भी. फूल से इत्र बनाने की परिकल्पना किसी क्रान्तिकारी विचार से उत्पन्न हुई होगी. वस्तुतः अन्तर्निहित स्वत्व का बाह्य रूप में प्रकट होना क्रान्तिकारी परिवर्तन का द्योतक है. हठधर्मिता मानव स्वभाव का अंग है. यही कारण है कि मानव स्वभाव प्रायः अपरिवर्तनीय बना रहता है.

क्रान्तियाँ राख के ढेर से उत्पन्न नहीं होतीं. विचारक ब्रूस स्प्रिंगस्टीन का कथन है, "You can't start a fire without a spark." चिनगारी के बिना अग्नि को प्रज्ज्वलित नहीं किया जा सकता. सामाजिक - आर्थिक - राजनीतिक-धार्मिक-सांस्कृतिक क्षेत्र आदि सभी में शताब्दियों से प्रचलित कुरीतियों, कु-प्रथाओं को यथास्थिति में रहने देकर छोड़ा नहीं जा सकता. सब कुछ–अत्याचार, प्रताड़ना, शोषण को भाग्य ईश्वर के भरोसे नहीं छोड़ सकते. राजनीतिक क्षेत्र में जितनी भी क्रान्तियाँ हुई हैं उनके पीछे एक तत्व सामूहिक है, वह यह किसी दमनकारी शासन के विरुद्ध किसी एक व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह का खड़ा हो जाना. सामाजिक बुराइयों को भी कतिपय क्रान्तिकारी विचारों का उद्घोष करने वाले की पहल पर ही समाप्त किया जा सका. बेहतर जीवन जीने के लिए कतिपय वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, विचारकों द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों, अन्वेषणों, खोजों, नवोन्मेषों का ही योगदान है. ऐसा करने वालों ने यथास्थिति से समझौता नहीं किया. आज भी नहीं कर रहे हैं. खोज, नवोन्मेष की प्रक्रिया आज भी जारी है. औद्योगिक क्रान्ति–उद्योग 0, उद्योग 1·0, उद्योग 3·0 तथा उद्योग 4·0 के जरिए इस स्तर तक पहुँची है. हरित क्रान्ति ने खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों तथा अन्य अनेक जिंसों के उत्पादन में असाधारण वृद्धि की है. सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति ने 'कर लो दुनिया मुट्ठी में' विचार को साकार करके सारे विश्व को 'वैश्विक गाँव' में तब्दील कर दिया है. श्वेत क्रान्ति, पीली क्रान्ति, नीली क्रान्ति, राजमार्ग क्रान्ति आदि सभी कोई कार्यक्रम मात्र नहीं है, वरन् कुछ व्यक्तियों के विचारों-प्रयासों को क्रान्तिकारी तरीके से नए आयाम देने की कहानी है.